मोज़ेक

संदर्भ

आर्कटिक के ऊपर एक जहाज-आधारित ''मल्टीडिसिप्लिनरी ड्रिफ्टिंग ऑब्जर्वेटरी फॉर द स्टडी ऑफ आर्कटिक क्लाइमेट (MOSAIC)' अभियान ने पाया है कि आयोडीन आर्कटिक में वसंत ऋतु में क्षोभमंडलीय ओजोन क्षरण को बढ़ाता है।

मुख्य बिंदु

• भारतीय उष्णकटिबंधीय मौसम विज्ञान संस्थान (IITM), पुणे सहित 20 देशों के शोधकर्ताओं ने जर्मन शोध आइसब्रेकर, पोलरस्टर्न पर मार्च और अक्टूबर 2020 के बीच अवलोकन किया।

• उन्होंने पाया कि ओजोन फोटोलिसिस द्वारा हुई ओज़ोन क्षरण के बाद, आयोडीन और ओजोन के बीच रासायनिक प्रतिक्रियाएं भू-स्तरीय ओजोन के नुकसान में दूसरा सबसे बड़ा योगदानकर्ता है , यह ब्रोमीन से अधिक क्षरणकर्ता है।

• भू-स्तरीय ओजोन (या ट्रोपोस्फेरिक ओजोन या सतह ओजोन) एक प्रदूषक है जो तब बनता है जब नाइट्रोजन के ऑक्साइड (NOx) वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों (VOC) के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।

• कम समय तक होने वाली ओजोन क्षरण की घटनाएं जो कि समताप मंडल के ओजोन क्षरण के लिए जिम्मेदार होती है , पृथ्वी की सतह पर भी देखी गयीं हैं।

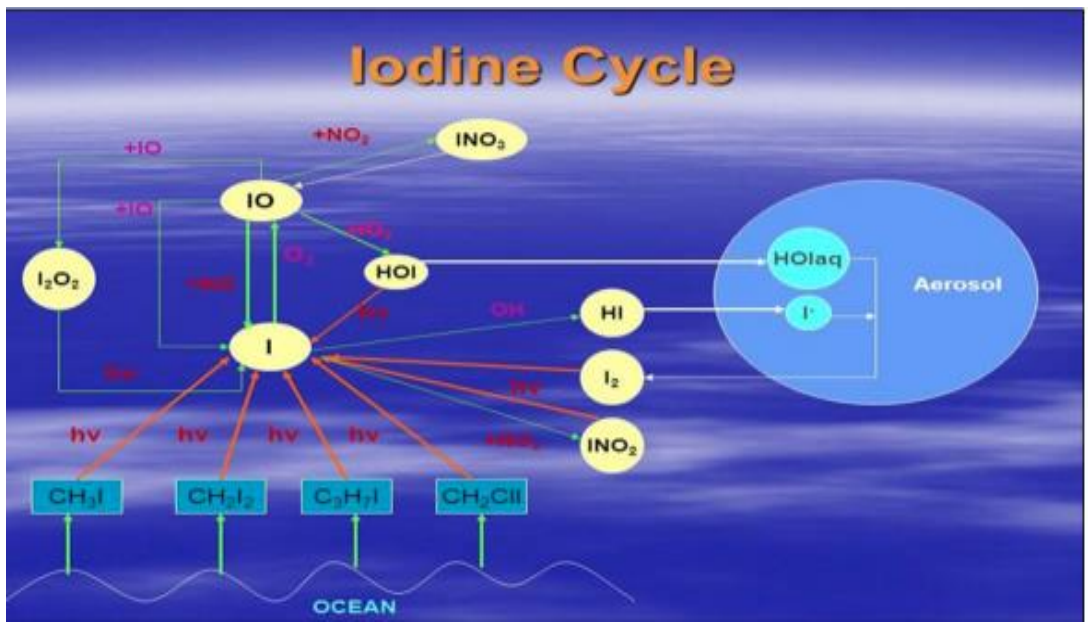

आर्कटिक सागर की बर्फ और आयोडीन का पिघलना

• आयोडीन के वैश्विक स्रोत में समुद्र की सतह से वाष्पशील अकार्बनिक आयोडीन प्रजातियों (यानी, हाइपोआयोडस एसिड (HOI) और I2) के O3-प्रेरित उत्सर्जन का प्रभुत्व है।

• जैविक और अजैविक प्रक्रियाओं के माध्यम से मुख्य रूप से मिथाइल आयोडाइड (CH3I) कार्बनिक आयोडीन यौगिकों के वायुमंडलीय स्रोतों पर भी महासागर प्रभुत्व रखते हैं।

• एक नए अध्ययन से पता चलता है कि आर्कटिक पिछले 43 वर्षों में दुनिया के बाकी हिस्सों की तुलना में लगभग चार गुना तेजी से गर्म हुआ है। इसका मतलब है कि आर्कटिक 1980 की तुलना में औसतन लगभग 3 डिग्री सेल्सियस गर्म है।

• परिणामस्वरूप, मानवजनित उत्सर्जन से ओजोन पानी में जमा हो जाता है और समुद्री जल से आयोडीन को वायुमंडल में छोड़ता है।

• वातावरण में यह सूर्य के प्रकाश की उपस्थिति में ओजोन को नष्ट कर सकता है। आयोडीन, O3 को नष्ट करने में क्लोरीन की तुलना में तीन गुना अधिक प्रभावी हैं।

• यह प्राकृतिक चक्र दुनिया भर में होता है लेकिन आर्कटिक में अपेक्षाकृत नया है। आयोडीन की बड़ी सांद्रता अंटार्कटिक में देखी जाती है लेकिन आर्कटिक में अब तक कभी नहीं देखी गई।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक

सन्दर्भ

वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री ने हाल ही में कंबोडिया के सिएम रीप शहर में पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन आर्थिक मंत्रियों की बैठक में भाग लिया।

प्रमुख बिंदु

• बैठक में सभी 10 आसियान देशों के साथ-साथ ऑस्ट्रेलिया, चीन, भारत, जापान, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, रूस और अमेरिका सहित 8 भागीदार देशों का ने भी प्रतिनिधित्व किया।

• मंत्रियों ने 12वें विश्व व्यापार संगठन मंत्रिस्तरीय सम्मेलन के परिणामों, महामारी के बाद आर्थिक सुधार के प्रयासों, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के लिए अपनाए गए उपायों और मजबूत मुद्रास्फीति दबाव सहित वैश्विक और क्षेत्रीय आर्थिक विकास पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) के बारे में

• ईएएस रणनीतिक वार्ता के लिए इंडो-पैसिफिक का प्रमुख मंच है। यह एकमात्र ऐसा मंच है, जिस पर सभी प्रमुख इंडो पैसिफिक पार्टनर इस क्षेत्र के सामने आने वाली राजनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए मिलते हैं, और निकट क्षेत्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

• आसियान मंच का नेतृत्व करता है, और अध्यक्ष की स्थिति आसियान सदस्य राज्यों के बीच सालाना परिवर्तित होती है।

राष्ट्रीय रसद नीति

सन्दर्भ

प्रधान मंत्री ने हाल ही में नई दिल्ली में राष्ट्रीय रसद नीति का शुभारंभ किया।

प्रमुख बिंदु

• एक राष्ट्रीय रसद नीति की आवश्यकता महसूस की गई क्योंकि भारत में अन्य विकसित अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में रसद लागत अधिक है।
• घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों में भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार के लिए भारत में रसद लागत को कम करना अनिवार्य है।
• कम रसद लागत अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में दक्षता में सुधार, मूल्य संवर्धन और उद्यम को प्रोत्साहित करती है।
• संपूर्ण रसद पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए व्यापक अंतःविषय, अंतर-क्षेत्रीय और बहु-क्षेत्राधिकार ढांचे को निर्धारित करके उच्च लागत और अक्षमता के मुद्दों को संबोधित करने का एक व्यापक प्रयास है।
• नीति भारतीय वस्तुओं की प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार करने, आर्थिक विकास को बढ़ाने और रोजगार के अवसरों को बढ़ाने का एक प्रयास है।
• ईज ऑफ लॉजिस्टिक सर्विसेज (ई-लॉग्स), डिजिटल प्लेटफॉर्म उद्योग को त्वरित समाधान के लिए सरकारी एजेंसियों के साथ परिचालन संबंधी मुद्दों को सीधे उठाने की अनुमति देगा।
• इसका उद्देश्य सभी लॉजिस्टिक्स और परिवहन क्षेत्र की डिजिटल सेवाओं को एक पोर्टल के माध्यम से प्रदान करना है, जिससे निर्माताओं और निर्यातकों को लंबी और मुश्किल प्रक्रियाओं से न गुजरना पड़े।
• पिछले साल प्रधान मंत्री द्वारा शुरू की गई मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी के लिए राष्ट्रीय मास्टर प्लान, इस दिशा में एक अग्रणी कदम था।
• राष्ट्रीय रसद नीति के शुभारंभ के साथ प्रधान मंत्री गतिशक्ति को और बढ़ावा और पूरकता मिलेगी।

पारिस्थिति निकेत मॉडलिंग (ईएनएम)

सन्दर्भ

हाल के एक पेपर में भारत के भौगोलिक और कृषि अर्थशास्त्र के संदर्भ में पारिस्थितिक निकेत मॉडलिंग के उपयोग पर प्रकाश डाला गया है।

अध्ययन की मुख्य विशेषताएं

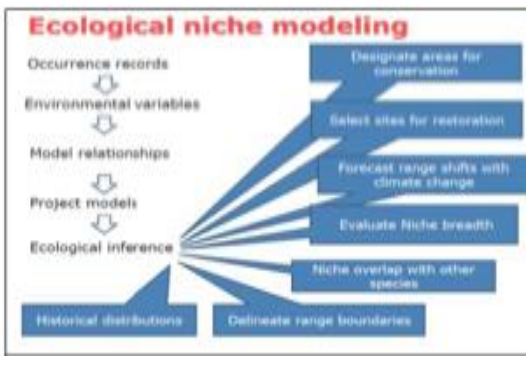

• शोधकर्ताओं ने आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण मसाले, केसर (क्रोकस सैटिवस) की जांच के लिए मॉडलिंग रणनीतियों का इस्तेमाल किया।
• ईरान विश्व के केसर का लगभग 90% उत्पादन करता है जबकि भारत 5% का उत्पादन करता है।
• जम्मू और कश्मीर की समशीतोष्ण जलवायु उच्च पीएच मान (6.3 से 8.3) की अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी, लगभग 25 डिग्री सेल्सियस के गर्मी के तापमान (जब फूल विकसित होते हैं) और अच्छी मिट्टी पोषक तत्व उपलब्धता के लिए उपयुक्त है।
• अध्ययन ने जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी सिक्किम, इंफाल, मणिपुर और उदगमंडलम, तमिलनाडु में स्थानों में केसर की खेती के लिए उपयुक्त 4,200 वर्ग किलोमीटर नए क्षेत्रों की पहचान करने के लिए वैश्विक जैव विविधता सूचना सुविधा और वर्ल्डक्लिम वेब पोर्टल से बड़े डेटा का उपयोग किया। .

पारिस्थितिक निकेत क्या है?

• पारिस्थितिक निकेत पर्यावरणीय परिस्थितियों का सही समूह है जिसके तहत जंतु या पौधे की प्रजाति पनपती है ।
• पारिस्थितिक तंत्र के भीतर कई प्रकार के पारिस्थितिक निकेत हो सकते हैं।
• जैव-विविधता ऐसी प्रजातियों के अधिवासित होने का परिणाम है जो उनके लिए विशिष्ट रूप से उपयुक्त हैं।

जलवायु परिवर्तन और निकेत

• जैसे-जैसे दुनिया की जलवायु में परिवर्तन होता है, मौजूदा प्रजातियों की अपनी जैव-भौगोलिक स्थिति को बनाए रखने की क्षमता में बदलाव हो सकता है।
• इसका कृषि पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है।

पारिस्थितिक निकेत मॉडलिंग क्या है?

• यह नई संभावनाओं की पहचान करने के पूर्वानुमान करता है, जैसे आवास के लिए नयी प्रजातियां , या नए भौगोलिक स्थान जहां वांछनीय पौधा अच्छी तरह से विकसित हो सकता है।
• मॉडलिंग में पर्यावरण के बारे में डेटा की तुलना करने के लिए कंप्यूटर एल्गोरिदम का उपयोग और इस बारे में पूर्वानुमान लगाना शामिल है कि किसी दिए गए पारिस्थितिक स्थान के लिए क्या आदर्श होगा।
• इसका उपयोग बदलते पारिस्थितिक परिदृश्य के संदर्भ में आर्थिक व्यवहार्यता की जांच करने के लिए किया जा सकता है।

वाराणसी : पहली बार एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित

सन्दर्भ

हाल ही में समरकंद, उज्बेकिस्तान में एससीओ काउंसिल ऑफ स्टेट्स ऑफ स्टेट्स की 22वीं बैठक में 2022-2023 की अवधि के दौरान वाराणसी को पहली बार शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में नामित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- पहली बार एससीओ पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में वाराणसी का नामांकन भारत और एससीओ सदस्य देशों के बीच पर्यटन, सांस्कृतिक और मानवीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देगा।
- यह एससीओ के सदस्य राज्यों विशेषकर मध्य एशियाई गणराज्यों के साथ देश के प्राचीन सभ्यतागत संबंधों को भी रेखांकित करता है।
- इस प्रमुख सांस्कृतिक आउटरीच कार्यक्रम के ढांचे के तहत 2022-23 के दौरान वाराणसी में कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिसमें एससीओ सदस्य राज्यों से मेहमानों को भाग लेने के लिए आमंत्रित किया जाएगा।
- इन आयोजनों में भारतविद्, विद्वानों, लेखकों, संगीतकारों और कलाकारों, फोटो पत्रकारों और यात्रा ब्लॉगर्स को आकर्षित करने की उम्मीद है।

अन्य महत्त्वपूर्ण खबरें

'इंस्पायर' पुरस्कार

सन्दर्भ

केंद्रीय मंत्री ने हाल ही में 60 स्टार्ट-अप्स को 'इंस्पायर' पुरस्कार के तहत 53,000 से अधिक छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान की।

प्रमुख बिंदु

- पुरस्कार विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्थापित किया गया है और इन नवप्रवर्तकों को उनकी उद्यमिता के लिए पूर्ण सहायता प्रदान की जाएगी।
- इस योजना ने देश के 702 जिलों के विचारों और नवाचारों का प्रतिनिधित्व करते हुए समावेशिता को बढ़ाया है ।

पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि

सन्दर्भ

भारत खाद्य और कृषि के लिए पादप आनुवंशिक संसाधनों पर अंतर्राष्ट्रीय संधि के शासी निकाय के 9वें सत्र की मेजबानी करने जा रहा है।

प्रमुख बिंदु

- संधि संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन के 31वें सत्र के दौरान नवंबर 2001 में रोम में अपनाया गया एक कानूनी रूप से बाध्यकारी व्यापक समझौता है, जो जून 2004 में लागू हुआ।
- बहुपक्षीय प्रणाली के माध्यम से जर्मप्लाज्म का आदान-प्रदान और साझा करने के तरीके पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।
- इस कार्यक्रम में किसानों और प्रजनकों के अधिकारों पर भी चर्चा होगी।

नीति आयोग की तर्ज पर राज्य स्तरीय संस्थान

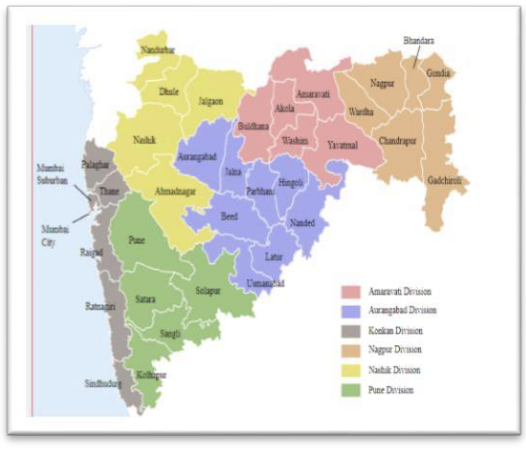

सन्दर्भ

महाराष्ट्र में नीति आयोग की तर्ज पर एक राज्य स्तरीय संस्थान की स्थापना की जाएगी।

प्रमुख बिंदु

• यह राज्य में कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण आदि जैसे क्षेत्रों में भारी बदलाव लाने में मदद करेगा।

• नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और अन्य विशेषज्ञों ने विभिन्न क्षेत्रों में परिवर्तन लाने के लिए आयोग द्वारा महाराष्ट्र की सहायता कैसे की जाएगी, इस पर एक प्रस्तुति दी।

• राज्य में कुशल मानव संसाधन और आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं और केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं के राज्य में सफल क्रियान्वयन पर जोर दिया जा रहा है.

• राज्य सरकार 2030 तक एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करने की योजना बना रही है।

नानमाडोल

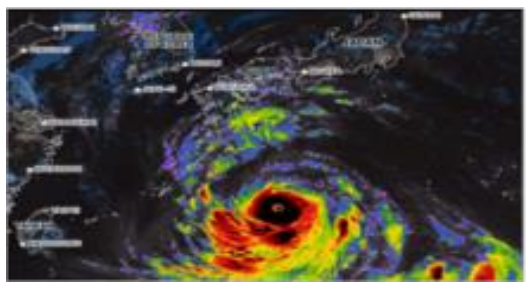

सन्दर्भ

दक्षिण-पश्चिमी जापान में लोगों को जगह खाली करने का आदेश दिया गया है क्योंकि इस क्षेत्र में एक शक्तिशाली तूफान आने वाला है।

प्रमुख बिंदु

• सुपर टाइफून के जापान के दक्षिण-पश्चिम द्वीपों में से एक दक्षिणी क्यूशू से टकराने का अनुमान है।

प्लेकोडर्म्स

सन्दर्भ

ऑस्ट्रेलिया में वैज्ञानिकों ने संरक्षित जीवाश्म दिल और प्राचीन मछली के अन्य अंगों (प्लाकोडर्म्स कहा जाता है) का पता लगाया है, जो लगभग 380 मिलियन वर्ष पहले डेवोनियन काल के दौरान एक उष्णकटिबंधीय चट्टान में रहते थे।

प्रमुख बिंदु

• प्लाकोडर्मी प्रागैतिहासिक मछली का एक वर्ग है, जिसकी पहचान जीवाश्मों से की गयी ,जो सिलुरियन से डेवोनियन काल के अंत तक रहता था।

• खोज मानव सहित - कशेरुकियों के शरीर के विकास में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है। खोजे गए जीवाश्म किसी भी पहले से ज्ञात मछली के दिल से 250 मिलियन वर्ष पुराने थे।

हीटिंग वर्ल्ड रिपोर्ट के अनुसार भुखमरी

सन्दर्भ

रिपोर्ट ऑक्सफैम इंटरनेशनल द्वारा जारी की गई थी।

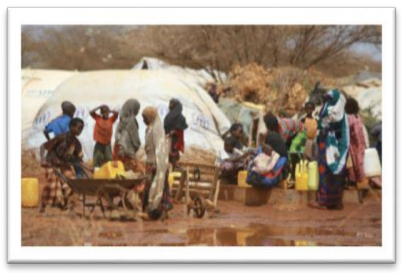

प्रमुख बिंदु

• दुनिया के 10 जलवायु हॉटस्पॉट में से छह वर्षों (2017-2021) में अत्यधिक भूख 123% बढ़ी।कुछ देशों में भुखमरी - अफगानिस्तान, बुर्किना फासो, जिबूती,
ग्वाटेमाला, हैती, केन्या, मेडागास्कर, नाइजर, सोमालिया और जिम्बाब्वे - 2000 के बाद से प्रमुख मौसम चरम सीमाओं से संबंधित है।

• इन देशों में कम से कम 18 मिलियन लोग भुखमरी के कगार पर हैं।

• सामूहिक रूप से, ये 10 जलवायु हॉटस्पॉट वैश्विक कार्बन उत्सर्जन के सिर्फ 0.13 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार हैं।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह

सन्दर्भ

इस साल यानी 2022 में अब तक भारत का शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह ₹7 लाख करोड़ को पार कर गया है।

प्रमुख बिंदु

• व्यक्तिगत आयकर और प्रतिभूति लेनदेन कर (एसटीटी) से ₹3.3 लाख करोड़ मिले हैं।

• प्रत्यक्ष कर संग्रह में तीव्र गति से वृद्धि जारी है जो महामारी के बाद आर्थिक गतिविधि के पुनरुद्धार का स्पष्ट संकेतक है जो सरकार की स्थिर नीतियों का परिणाम है, जो प्रौद्योगिकी का उपयोग करके प्रक्रियाओं के सरलीकरण और सुव्यवस्थित करने और प्रभावी माध्यम से कर रिसाव को बंद करने पर केंद्रित है।

• यह पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 23.33% अधिक है।

प्रत्यक्ष कर

• प्रत्यक्ष कर वे हैं जो सीधे करदाताओं पर लगाए जाते हैं - आयकर, संपत्ति कर, निगम कर, आदि। दूसरे शब्दों में, प्रत्यक्ष कर एक प्रकार का कर है जहां कराधान की घटना और प्रभाव एक ही इकाई पर पड़ता है।

• भारत में प्रत्यक्ष करों की देखरेख केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) करता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र

सन्दर्भ

विदेश मंत्री संयुक्त राष्ट्र महासभा के 77वें सत्र में भाग लेने के लिए हाल ही में न्यूयॉर्क पहुंचे।

प्रमुख बिंदु

• 77वें यूएनजीए का विषय 'एक वाटरशेड मोमेंट: इंटरलॉकिंग चुनौतियों का परिवर्तनकारी समाधान' है।

• सुधारित बहुपक्षवाद के लिए भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए, मंत्री जी4 - भारत, ब्राजील, जापान और जर्मनी की एक मंत्रिस्तरीय बैठक की मेजबानी करेंगे - साथ ही 'बहुपक्षवाद को फिर से जीवंत करने' और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के व्यापक सुधार को प्राप्त करने' पर एल-69 समूह की उच्च स्तरीय बैठक में भाग लेंगे।

• एल-69 समूह में एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका, कैरिबियन और छोटे द्वीप विकासशील देशों के विकासशील देश शामिल हैं, जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सुधारों पर केंद्रित हैं।

MCQ, Current Affairs, Daily Pre Pare